प्रशिक्षण शिष्यों को प्रशिक्षित करने के लिए
सत्र 13: एक दूसरे से प्यार करो (6ब)

रॉन लाइवली, एम.डिवी., एमए द्वारा ऑफ़र किया गया - BiblicalMentoring.org (अध्ययन)

चरण 1: प्रारंभिक प्रार्थना

चरण 2: प्रत्येक व्यक्ति स्मृति कविता को उद्धृत करता है: छंद चरण: **1 कुरिन्थियों 12: 14**
14 क्योंकि शरीर में एक अंग नहीं बल्कि बहुत से अंग होते हैं।

चरण 3: *बाइबल अध्याय के सभी या कुछ हिस्सों को पढ़ें और चर्चा करें* ***- 1 कुरिन्थियों 12***

चरण 4*:* व्यक्तिगत अनुप्रयोगों और/या समूह चर्चा के लिए प्रश्न:

*एक.*गौर कीजिए कि दूसरों को क्षमा करने से यह कैसे पता चलता है कि आपको माफ कर दिया गया है।

दो. फिलिप्स के कथन पर विचार करें - "आप दूसरों को दिए बिना परमेश्वर की क्षमा प्राप्त नहीं कर सकते"।

तीन.क्या आप महसूस करते हैं कि क्षमा के माध्यम से दर्द से निपटने के बजाय दर्द को दबाना आपके भावनात्मक स्वास्थ्य, परमेश्वर की शांति और ईसाई जीवन के आनंद को गंभीर रूप से खतरे में डाल सकता है?

चार.क्या आप महसूस करते हैं कि हम परमेश्वर की छवि में बने हैं जो तीन व्यक्तियों (पिता, पुत्र और आत्मा) का समुदाय है। हम स्वस्थ रिश्तों में अंतरंगता के लिए हैं - समुदाय में।

पाँच. विचार करें कि कैसे पवित्र आत्मा मानव शरीर के कामकाज को एक दृश्य सहायता के रूप में उपयोग करता है ताकि यह समझाया जा सके कि ईसाइयों को मसीह और एक-दूसरे से कैसे संबंधित होना चाहिए।

चरण 5*: पुस्तक की सामग्री पढ़ें और चर्चा करें:*

अध्याय 6 बी लेखक के अनुसार - कीथ फिलिप्स:

दूसरों को क्षमा करें

एक बार जब आपको क्षमा कर दिया जाता है, तो आपको दूसरों को क्षमा करना चाहिए। यीशु ने सिखाया, "क्योंकि यदि तुम मनुष्यों को उनके अपराधों के लिए क्षमा करते हो, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगा। परन्तु यदि तुम मनुष्यों को क्षमा नहीं करते, तो तुम्हारा पिता तुम्हारे अपराधों को क्षमा नहीं करेगा" (मत्ती 6:14,15)। मसीह की प्रार्थना इस महत्वपूर्ण मिलन को दर्शाती है: "और हमारे पापों को क्षमा कर दो, क्योंकि हम आप भी उन सभी को क्षमा करते हैं जो हमारे ऋणी हैं..." (लूका 11:4)। आप परमेश्वर के प्रति कृतज्ञता में क्षमा करते हैं कि वह आपसे क्षमा करता है, न कि अपनी क्षमा अर्जित करने के लिए। दूसरों को क्षमा करना इस बात की पुष्टि करता है कि आपको क्षमा कर दी गई है। आप दूसरों को दिए बिना परमेश्वर की क्षमा प्राप्त नहीं कर सकते। जब हमारे लड़के शिशु थे, तो डॉक्टर ने हमें बताया कि वह उन्हें चिकन पॉक्स को छोड़कर हर बीमारी के लिए टीका लगा सकता है। यदि वे किसी ऐसे बच्चे के संपर्क में आते हैं जिसे यह बीमारी थी, तो वे स्वयं इसे अनुबंधित करने के लिए बाध्य थे। क्षमा चिकन पॉक्स की तरह है। यदि आपके पास है, तो आप इसे दूसरों को देंगे।

दूसरों को क्षमा करना ईसाई धर्म की पहचान है। यीशु ने हमें क्षमा कर दिया, जिनके पापों के लिए उसे क्रूस पर चढ़ाया गया था, जबकि वह अभी भी क्रूस पर लटका हुआ था (लूका 23:34)। स्तिफनुस ने उन लोगों को क्षमा कर दिया जो उसे पत्थर मार रहे थे, जैसे चट्टानों ने उसके शरीर को कुचल दिया था (प्रेरितों के काम 7:60)। पौलुस ईसाई स्थिति को सारांशित करता है: "और एक दूसरे के प्रति दयालु बनो, कोमल मन, एक दूसरे को क्षमा करो, जैसे परमेश्वर ने भी मसीह में तुम्हें क्षमा किया है" (इफिसियों 4:32)। दूसरों के लिए आपकी क्षमा पूरे दिल से होनी चाहिए, परमेश्वर द्वारा आपको क्षमा करने के अनुरूप होना चाहिए। किसी अन्य व्यक्ति को क्षमा करना परमेश्वर का चमत्कार है। यह उसका काम है, आपका नहीं। यहां तक कि एक इच्छुक हृदय के साथ, दर्द कभी-कभी इतना गंभीर होता है कि आप बस विश्वास नहीं कर सकते हैं कि क्षमा करना और भूल जाना संभव है। लेकिन परमेश्वर द्वारा आपको क्षमा करने और उसके द्वारा प्रदान किए गए अनुग्रह के कारण, आप क्षमा कर सकते हैं।

यदि आप किसी से आहत हैं, लेकिन क्षमा के माध्यम से दर्द से निपटने के बजाय दर्द को दबाते हैं, तो अपराधबोध, कड़वाहट और चिंता कलह को बढ़ाने के लिए बनी रहती है। यह ईश्वर की शांति और ईसाई जीवन के आनंद को कम करके आपके भावनात्मक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से खतरे में डालता है। अंदर की नकारात्मक भावनाएं आपको कैंसर की तरह खा जाती हैं।

दूसरों को खुशी-खुशी क्षमा करने में कोई भी विफलता आपके लिए परमेश्वर के अनुग्रहकारी प्रावधान की अज्ञानता को प्रकट करती है। आप मत्ती 18:21-35 में कृतघ्न सेवक की तरह बन जाते हैं, आसानी से ईश्वरीय दया द्वारा खरीदी गई रिहाई का आनंद लेते हैं, लेकिन दूसरों के समान अनुग्रह को क्रूरता से अस्वीकार करते हैं। जाहिर है, पैट विलियम्स ने अपने चाचा के लिए घृणा और अपनी माँ के लिए नाराजगी को आश्रय दिया। वे एक बच्चे को इस तरह की विकृति का अनुभव करने की अनुमति कैसे दे सकते थे? किसी तरह मसीह की शिक्षा, "क्षमा करो, और तुम्हें क्षमा किया जाएगा" (लूका 6:37 केजेवी) का कोई मतलब नहीं था। लेकिन जब पैट ने पूरी तरह से परमेश्वर की क्षमा को स्वीकार कर लिया, तो उसने अपने अतीत के भेदी चोट और कपटी अपराध को अपने प्रेम में गहरी सुरक्षा के साथ बदल दिया। इसने एक बहुत ही रमणीय आत्म-प्रेम पैदा किया। इस तरह की पूर्ण क्षमा का अनुभव करने के बाद, पैट अपने चाचा और माँ को क्षमा करने से कम कैसे कर सकता है? दूसरों को क्षमा करना मसीह के उदाहरण का अनुसरण करना है।

दूसरों की क्षमा स्वीकार करें

कुलुस्सियों 3:13 हमें एक दूसरे को क्षमा करने के लिए आग्रह करता है क्योंकि मसीह हमें क्षमा करता है। एक दूसरे को क्षमा करने के लिए हमें स्वीकार करने के साथ-साथ क्षमा देने की आवश्यकता होती है। क्षमा स्वीकार करना आमतौर पर क्षमा के लिए हमारे गंभीर अनुरोध का अनुसरण करता है। हालाँकि, कभी-कभी लोग हमें उन गलतियों के लिए क्षमा करने की पेशकश करते हैं जिन्हें हमने सोचा था कि वे इतने चरम थे कि हमने उनसे क्षमा मांगने की हिम्मत भी नहीं की। हमें यह विश्वास करना कठिन हो सकता है कि वे ईमानदारी से हमें क्षमा करना चाहते हैं।

लेकिन जब कोई आपको क्षमा करता है, तो आपको स्वीकार करने में शीघ्रता करनी चाहिए। ऐसा करने में विफलता पाप है। यह इंगित करता है कि आप मानते हैं कि इस व्यक्ति के खिलाफ आपका अपराध इतना बड़ा था कि परमेश्वर की शक्ति उसे क्षमा करने में सक्षम बनाने के लिए अपर्याप्त है। यह उसके जीवन में मसीह के पूर्ण प्रायश्चित को नकारता है। किसी व्यक्ति की क्षमा स्वीकार न करने से वह नाराज हो जाएगा और उसके साथ आपके रिश्ते को नुकसान पहुंचाएगा। यह आपके बीच चोट और विभाजन को लम्बा खींचता है। इसके अलावा, यह उसे भविष्य में दूसरों से क्षमा को रोककर ठोकर खाने का कारण बन सकता है, क्योंकि आपकी अस्वीकृति उसे यह विश्वास करने के लिए प्रेरित कर सकती है कि इसे वैसे भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। एक दिन पैट के चाचा परमेश्वर की क्षमा को स्वीकार कर सकते हैं और जान सकते हैं कि पैट ने उसे पहले ही माफ कर दिया है। हालाँकि, वह पैट के खिलाफ अपने पापों की मनहूस प्रकृति से इतना अभिभूत हो सकता है कि वह उसकी क्षमा को स्वीकार करने में असमर्थ महसूस करता है। लेकिन परमेश्वर की आज्ञाकारिता में, उसे अवश्य करना चाहिए। पैट के चाचा निश्चित रूप से पैट की नाराजगी और कड़वाहट के बारे में जानते हैं। यदि वह पैट की क्षमा को स्वीकार करता है और फिर पैट को उसकी नकारात्मक भावनाओं के लिए क्षमा करता है, तो परमेश्वर चाहता है कि पैट खुशी-खुशी उसकी क्षमा स्वीकार करे। जबकि क्षमा स्वीकार करना महत्वपूर्ण है, आपका उपचार किसी अन्य व्यक्ति के क्षमा देने या स्वीकार करने पर निर्भर नहीं करता है। यह मसीह के प्रायश्चित के माध्यम से परमेश्वर के सिद्ध प्रावधान का परिणाम है। क्षमा स्वीकार करना और देना उन दीवारों को तोड़ देता है जो रिश्तों में बाधा डालती हैं। जब लोगों के बीच कोई बाधा नहीं होती है, तो एक दूसरे के लिए प्यार ही एकमात्र शेष विकल्प होता है।

समुदाय-भावना

आप अलगाव में सच्चे ईसाई धर्म का अनुभव नहीं कर सकते। परमेश्वर स्वयं तीन व्यक्तियों का एक समुदाय है, जो लगातार अंतरंग तरीके से परस्पर संबंध रखता है। चूँकि आप परमेश्वर के स्वरूप में बनाए गए हैं, आप ईश्वरत्व के जितनी अधिक निकटता से अनुरूप, आपका जीवन उतना ही अधिक प्रचुर होगा। आप केवल स्वस्थ रिश्तों में ही अपनी मानवता की परिपूर्णता का एहसास कर सकते हैं। यीशु ने रिश्तों की आवश्यकता को पहचाना। सेवकाई का उनका प्रारंभिक कार्य बारह पुरुषों को "उसके साथ रहने" के लिए बुलाना था (मरकुस 3:14)। उसने एक समुदाय का गठन किया। यह इस संदर्भ से था कि उसने अपने शिष्यों को सिखाया

कि परमेश्वर और मनुष्य दोनों के साथ स्थायी और घनिष्ठ संबंध कैसे बनाए रखें: प्रभु से अपने पूरे दिल से प्रेम करें - और अपने पड़ोसी को अपने समान प्रेम करें।

समुदाय परमेश्वर के साथ आपकी प्राथमिक कड़ी है

मसीह शरीर का मुखिया है (इफिसियों 1:22,23) और परमेश्वर मसीह का सिर है (1 कुरिन्थियों 11:3)। यदि आप एक ईसाई शरीर का हिस्सा नहीं हैं, तो आप अपने लोगों के लिए परमेश्वर के कॉर्पोरेट, रचनात्मक उद्देश्य से बाहर हैं और आप परमेश्वर के साथ अपना सबसे महत्वपूर्ण संबंध खो देते हैं। पवित्र आत्मा बार-बार मानव शरीर के कामकाज को एक दृश्य सहायता के रूप में उपयोग करता है ताकि यह समझाया जा सके कि ईसाइयों को मसीह और एक दूसरे से कैसे संबंधित होना चाहिए। ईसाई समुदाय के बारे में हमारी समझ मसीह के शरीर और हमारे भौतिक शरीर के बीच समानताएं खींचकर बढ़ाई जाती है। शरीर से अलग सिर से पैर जुड़े होने का उदाहरण कभी नहीं हुआ है। यह एक शारीरिक असंभवता है। इसी तरह, कोई भी ईसाई परमेश्वर के प्रति अनन्य लगाव नहीं रख सकता है। "क्योंकि शरीर एक अंग नहीं, परन्तु अनेक है" (1 कुरिन्थियों 12:14)। एक विश्वासी शरीर के माध्यम से सिर से संबंधित है। मैं एक मुर्गी पशुपालक को मुर्गे का सिर काटते हुए देखना कभी नहीं भूलूंगा। जब सिर जमीन पर गिरा, तो बाकी मुर्गी बेतहाशा हलकों में दौड़ने लगी। धूल उड़ गई। पंख बिखर गए। फिर, अचानक, शरीर ढह गया। सिर से कटा हुआ एक ईसाई कुछ समय के लिए जीवित दिखाई दे सकता है। लेकिन वह जल्द ही ढह जाएगा क्योंकि सिर से पोषण और दिशा खींचने का केवल एक ही तरीका है - और वह है शरीर का हिस्सा बनना (कुलुस्सियों 2:19 एनआईवी देखें)। समुदाय के बिना एक ईसाई मुर्गी की तरह है जिसका सिर कटा हुआ है। ईसाई समुदाय परमेश्वर के लिए आपकी प्राथमिक जीवन रेखा है।

पेज 63-66

***चरण 6**: व्यक्तिगत प्रार्थना अनुरोधों को साझा करें फिर प्रत्येक व्यक्ति दूसरे के अनुरोधों के लिए प्रार्थना करता है।*

मूल: एक शिष्य का निर्माण डॉ. कीथ फिलिप्स द्वारा। फ्लेमिंग एच. रेवेल कंपनी द्वारा, 1981 पब। आई°ऍस°बी°ऍन° 0-8007-1181-5. रॉबर्ट ई. कोलमैन द्वारा परिचय। सामग्री (अध्ययन प्रश्नों को छोड़कर) बिना किसी संशोधन के पुस्तक से ली गई है।

संशोधित 20261011